विश्व के प्रमुख संविधान : इंगलैण्ड

[विश्वविद्यालयों के बी० ए० व एम० ए० के विद्यार्थियों के लिए]

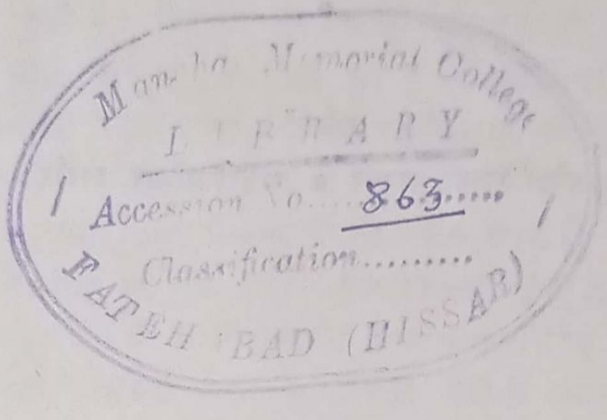

लेखक

इकबाल नारायण, एम० ए०, पी-एच० डी०

रीडर राजनीति-शास्त्र

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी (प्रा०) लिमिटेड

पुस्तक प्रकाशक एवं विक्रेता

जयपुर ● आगरा ● इन्दौर

विषय-सूची

अध्याय पृष्ठ संख्या

१. **अंग्रेजी संविधान का विकास व स्वरूप :**
राजनैतिक पृष्ठभूमि—भूमि; निवासी व धर्म; सामाजिक व आर्थिक दशा—**अँग्रेजी संविधान की परिभाषा व उसके निर्माण तत्व;** संवैधानिक समझौते; संवैधानिक कानून; न्यायिक टीकाएँ व कानूनी टीकायें; सामान्य कानून; संवैधानिक परम्परायें—**अँग्रेजी संविधान का विकास;** ऐंग्लो सेक्सन काल; नॉर्मन काल; प्लान्टेगनेट व लंकास्ट्रियन वंशों का राज्य काल; ट्यूडर काल; स्टुअर्ट काल; अंतिम चरण—**अँग्रेजी संविधान का स्वरूप;** संवैधानिक आलेख के रूप में अंग्रेजी संविधान; अलिखित संविधान, विकसित संविधान, अवास्तविकता का पुट, अवास्तविकता के उदाहरण, लचीलापन; राजनैतिक प्रणाली के रूप में अंग्रेजी संविधान; संवैधानिक राजतन्त्र, संसदीय शासन, केन्द्रीय शासन तथा संसद की सर्वोच्चता; अधिकार-पत्र के रूप में अंग्रेजी संविधान; कानून का शासन, कानून के शासन का ह्रास। १—३९

२ **वैधानिक परम्पराएँ :**
वैधानिक परम्पराओं का स्वरूप; कानून व परम्परा का भेद; परम्पराओं का पालन क्यों किया जाता है, डायसी, लॉवेल, लास्की —**अँग्रेजी संविधान में परम्पराओं का महत्व;** परम्परायें व अंग्रेजी संविधान का निर्माण; परम्पराएँ व अंग्रेजी संविधान का कार्य रूप— **परम्पराओं का वर्गीकरण;** राजा से सम्बन्धित परम्परायें; मन्त्रिमण्डल से सम्बन्धित परम्परायें; संसद से सम्बन्धित परम्परायें; राष्ट्रमण्डल से सम्बन्धित परम्परायें। ४०—५२

३. **इंगलैण्ड का राजपद :**
राजमुकुट—राजा व राजमुकुट; राजा व राजमुकुट के भेद का महत्व; राजा व राजमुकुट का अन्तर—**राजमुकुट की शक्तियाँ, उसके कार्य व अधिकार;** राजमुकुट की शक्तियों के स्रोत, संसदीय कानून, राजकीय विशेषाधिकार, विशेषाधिकार व कानून का मिश्रण;

अध्याय पृष्ठ संख्या

राजमुकुट के अधिकारों की परिवर्तनशीलता; राजमुकुट की शक्तियों का विश्लेषण, कार्यपालक शक्तियाँ, व्यवस्थापन सम्बन्धी शक्तियाँ, अन्य विविध शक्तियाँ—राजा की वास्तविक स्थिति तथा उसके विशेषाधिकार व प्रभाव का प्रश्न; प्रधान मन्त्री व मन्त्रिमण्डल के चयन का विशेषाधिकार; पीर बनाने का विशेषाधिकार; संसद के विघटन का विशेषाधिकार; मन्त्रियों की बर्खास्तगी का विशेषाधिकार, संसद के विधेयकों की स्वीकृति का विशेषाधिकार; राजा की वस्तुस्थिति; राजा के प्रभाव के कारण—**राजपद अब भी क्यों बना हुआ है**; राजनैतिक कारण; मनोवैज्ञानिक कारण; अन्तर्राष्ट्रीय कारण। ५३—८२

४ मंत्रिमण्डल :

मंत्रिमण्डल का महत्व—मंत्रिमण्डल की विशेषताएँ; राजा की प्रथकता; कार्यपालिका व व्यवस्थापिका के सम्बन्ध की घनिष्ठता, मंत्रिमण्डल का लोक सदन के विघटन का अधिकार; त्रिमुखी उत्तर-दायित्व; मंत्रिमण्डल का सामूहिक दायित्व, सामूहिक दायित्व की उपादेयता; एकता व एकरूपता; गोपनीयता; **प्रधानमंत्री का नेतृत्व—मंत्रिमण्डल का निर्माण और उसकी रचना—मंत्रिमण्डल व मंत्रालय**; मंत्रिमण्डल व मंत्रालय का अन्तर, आकार सम्बन्धी अन्तर, पद सम्बन्धी अन्तर, वेतन सम्बन्धी अन्तर, कार्य क्षेत्र सम्बन्धी अन्तर—**मंत्रिमण्डल की कार्य-प्रणाली—मन्त्रिमण्डल के कार्य**; व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्य; कार्यपालन सम्बन्धी कार्य; वित्त सम्बन्धी अधिकार, **मंत्रिमण्डल व लोक सदन का सम्बन्ध**; कानूनी दृष्टिकोण तथा संसद की महत्ता; प्रश्न, मंत्रिमण्डल की नीति की आलोचना व उसकी अस्वीकृति, कटौती प्रस्ताव, कार्य स्थगन प्रस्ताव, निन्दा का प्रस्ताव-अविश्वास का प्रस्ताव; व्यवहारिक दृष्टिकोण तथा मंत्रिमण्डल की महत्ता—**मंत्रिमण्डल की महत्ता के कारण**; दल प्रणाली; दलीय अनुशासन; शासन की समस्याओं की पेचीदगी, कार्यभार की अधिकता, प्रधानमंत्री का नेतृत्व, लार्डसभा के अधिकारों की कटौती, लोकसदन के विघटन की व्यवस्था—मंत्रि-मण्डल को प्राप्त महत्ता की वांछनीयता। ८३—१२२

अध्याय पृष्ठ संख्या

५. प्रधान मन्त्री :

प्रधान मन्त्री की नियुक्ति—प्रधान मन्त्री के अधिकार व उसके कार्य; प्रधानमन्त्री व मंत्रिमण्डल; शासन-प्रमुख के रूप में प्रधानमन्त्री; राजा के परामर्शदाता के रूप में प्रधानमन्त्री; लोक सदन के नेता के रूप में प्रधानमन्त्री—**प्रधानमन्त्री की स्थिति की वास्तविकता**; प्रधानमन्त्री की स्थिति की वांछनीयता। १२३—१३७

६. लोक सेवा :

लोक सेवक—लोक सेवा का विकास—लोकसेवा का नियंत्रण, लोक सेवा के विविध वर्ग—उत्तरी आयरलैंड की लोक सेवा—वैदेशिक सेवा-कर्मचारियों की भर्ती—प्रशिक्षण—पदोन्नति व नौकरी की शर्तें—**मन्त्रिगण व लोक सेवा**; मन्त्रियों की प्रशासनिक अनभिज्ञता; लोक-सेवकों के प्रशासनिक ज्ञान की विशिष्टता; मन्त्रियों का प्रशासन विशेषज्ञ न होना क्या उपयोगी है ?, लोक सेवा के कार्य का महत्व; लोक सेवा की तटस्थता—**मन्त्रियों व लोक सेवकों का सम्बन्ध**; मन्त्रियों पर लोक सेवकों का प्रभाव; क्या मन्त्री लोक सेवकों के हाथ की कठपुतली होते हैं ? १३८-१५९

७. संसद :

लार्ड सभा—लार्ड सभा की रचना; राजवंश के राजकुमार; वंश परम्परागत पीर, स्कॉटलैंड के प्रतिनिधि पीर, आयरलैंड के प्रतिनिधि पीर, जीवन पीर, साधारण अपील लार्ड, धार्मिक लार्ड—**लार्डसभा के पदाधिकारी—लार्डसभा के कार्य**; व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्य व शक्तियाँ, कार्यपालिका से सम्बन्धित कार्य व शक्तियाँ, न्याय-सम्बन्धी कार्य व शक्तियाँ—**लार्डसभा का आलोचनात्मक मूल्यांकन**; लार्डसभा का विपक्ष, अलोकतन्त्रीयता का प्रतीक, एक दल की प्रभुता, सदस्यों की उदासीनता; लार्डसभा का पक्ष, लोकतन्त्र की सुरक्षा, लोकतन्त्र के जोश की प्रत्यौषधि, व्यवस्थापन की सुविधा, योग्यता का भण्डार; लार्डसभा के सुधार के सुझाव—**लोक सदन—लोक सदन की रचना—लोक सदन के पदाधिकारी—लोक सदन की शक्तियाँ व उसके कार्य**; लोक सदन व व्यवस्थापन, लोक सदन व वित्त व्यवस्था, लोक सदन व कार्यपालिका—**लोक सदन की वास्तविक स्थिति**; आलो-

पृष्ठ संख्या

अध्याय

चना का मंच व लोकमत का केन्द्र; राजनीतिज्ञों व शासन कुशल व्यक्तियों के चयन का स्थान; सहमति पर आधारित लोकतन्त्र का माध्यम—संसदीय विपक्ष; विपक्ष का संगठन; विपक्ष के कार्य, आलोचना, शासन की वैकल्पिक नीति का प्रचार; सरकारी नीति को प्रभावित करना; लोकतन्त्र की सुरक्षा; विपक्ष की उपादेयता—संसदीय प्रतिनिधित्व—लोक सदन का अध्यक्ष; अध्यक्ष की मान्यता का आधार; अध्यक्ष का निर्वाचन; अध्यक्ष की शक्तियाँ व उसके कार्य, लोक सदन का प्रतिनिधित्व, लोक सदन की अध्यक्षता, लोक सदन सम्बन्धी प्रशासन—इंगलैण्ड की समिति प्रणाली; समिति प्रणाली का विकास, समितियों का कार्य; समितियों के प्रकार; सम्पूर्ण सदन की समिति, विशिष्ट समितियाँ, स्थाई समितियाँ, गैर सरकारी विधेयक समितियाँ सम्मिलित समितियाँ—व्यवस्थापन कार्य; विधेयकों के प्रकार; सार्वजनिक विधेयक, व्यक्तिगत सदस्यों के विधेयक, व्यक्तिगत विधेयक, व्यवस्थापन की प्रक्रिया; प्रस्तुतीकरण व प्रथम वाचन; द्वितीय वाचन, समिति स्तर, प्रतिवेदन स्तर, तृतीय वाचन, दूसरे सदन की प्रक्रिया, राजकीय स्वीकृति; वित्त विधेयकों के व्यवस्थापन की प्रक्रिया की विशेषतायें; व्यक्तिगत सदस्यों के प्रस्तावों व विधेयकों से सम्बन्धित प्रक्रिया की विशेषतायें; व्यक्तिगत विधेयकों से सम्बन्धित प्रक्रिया की विशेषतायें; अस्थाई आज्ञायें। १६०—२२५

८. दल प्रणाली :

दल प्रणाली की उपादेयता—दल प्रणाली का विकास—द्विदलीय प्रणाली अथवा बहुदलीय प्रणाली ?—द्विदलीय प्रणाली का पक्ष, व बहुदल प्रणाली का विपक्ष, बहुदल प्रणाली का पक्ष तथा द्विदलीय प्रणाली का विपक्ष प्रमुख राजनीतिक दल, रूढ़िवादी दल, रूढ़िवादी दल की नीति व उसका कार्यक्रम, रूढ़िवादी दल की सदस्यता, रूढ़िवादी दल का संगठन; उदारवादी दल, उदारवादी दल की नीति व उसका कार्यक्रम, उदारवादी दल की सदस्यता, उदारवादी दल का संगठन; श्रमिक दल, श्रमिक दल की नीति व उसका कार्यक्रम, श्रमिक दल की सदस्यता, श्रमिक दल का संगठन; अन्य राजनैतिक दल। २२६—२५६

पृष्ठ संख्या

अध्याय

९. कानून व न्याय :

कानून का शासन; कानून के शासन का तात्पर्य; कानून के शासन का व्यावहारिक रूप—कानून व न्याय-व्यवस्था की विशेषतायें; असंहिताबद्ध रूप; फौजदारी व दीवानी कानूनों का अन्तर; न्यायालयों की एकसूत्रता; साधारण कानून व साधारण न्यायालयों की प्रभुता; न्यायाधीशों की स्वतन्त्रता व निष्पक्षता, न्यायिक सर्वेक्षण, जूरी की व्यवस्था; निःशुल्क कानूनी सहायता—अंग्रेजी कानून के प्रकार; सामान्य कानून; औचित्यपूर्ण निर्णय, संसदीय कानून, अधिकृत व्यवस्थापन पर आधारित कानून—न्यायालयों की व्यवस्था; इंगलैण्ड व वेल्स—फौजदारी न्यायकार्य, मजिस्ट्रेटों के न्यायालय, क्वार्टर सेशन्स, ऐसाईज़ेज़, क्राउन न्यायालय, केन्द्रीय फौजदारी न्यायालय, फौजदारी अपील; इंगलैण्ड व वेल्स—दीवानी न्यायकार्य, काउन्टी न्यायालय, उच्च न्यायालय, अपील न्यायालय; स्कॉटलैण्ड फौजदारी न्यायकार्य, बर्ग न्यायालय, जस्टिस आफ पीस न्यायालय, शैरिफ न्यायालय, उच्च न्यायालय, फौजदारी अपील; स्कॉटलैण्ड—दीवानी न्यायकार्य, शैरिफ न्यायालय, दौरा न्यायालय, स्कॉटिश भूमि न्यायालय; उत्तरी आयरलैण्ड की न्याय व्यवस्था; अन्य न्यायालय। २५७—२८६

१०. स्थानीय स्वशासन :

स्थानीय स्वशासन का विकास; प्राचीन कालीन व्यवस्था, मध्यकालीन व्यवस्था, आधुनिक व्यवस्था—स्थानीय स्वशासन का स्वरूप; ऐतिहासिकता, विकासशीलता, स्वशासन—स्थानीय प्रशासन व केन्द्रीय शासन का सम्बन्ध; व्यवस्थापन सम्बन्धी नियन्त्रण; वित्तीय नियन्त्रण; प्रशासनिक नियन्त्रण—स्थानीय स्वशासन की विविध इकाइयाँ; पैरिश; ग्रामीण जिला; नगरीय जिला; काउन्टी; बरो—लन्दन के स्थानीय स्वशासन की इकाइयाँ, लन्दन नगर निगम; लंदन काउन्टी; केन्द्रीय बरो—प्रबन्ध कारणी समितियों का निर्माण—स्थानीय निकायों के कार्य—स्थानीय निकायों की अर्थ-व्यवस्था—स्थानीय स्वशासन के सुधार के सुझाव। २८७—३११